मिशन कोशिश कार्यक्रम- 2024 ऑनलाइन अभिमुखीकरण आख्या

जनपद- टिहरी गढ़वाल

कुल प्रतिभागी- 1486 (1 से 12 तक के विद्यालयों के प्रधानाचार्य व प्रधानाध्यापक)

विकासखंड वार विवरण :

दिनांक	समय	विकासखंड	कुल प्रतिभागी
12 अप्रैल 2024	प्रातः 10 बजे से 11:30 बजे तक	चंबा, देवप्रयाग, जाखणीधार	370
	प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक	जौनपुर, कीर्तिनगर	247
15 अप्रैल 2024	प्रातः 10 बजे से 11:30 बजे तक	नरेंद्रनगर, प्रतापनगर	327
	प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक	थौलधार, भिलंगना	542

उद्देश्य:

- 'मिशन-कोशिश' कार्यक्रम के उद्देश्य और उसकी रूपरेखा को समझ पाएंगे।
- कक्षावार छात्रों की अधिगम संप्राप्ति स्तर पर समझ बना सकेंगे।
- अधिगम संप्राप्ति स्तर के अनुसार आवश्यक कार्ययोजना को सुनिश्चित कर सकेंगे।

सत्र का संदर्भ :

"मिशन कोशिश" कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्णतया छात्रों में नवीन कक्षा के लिए निर्धारित सीखने के प्रतिफलों की शत-प्रतिशत संप्राप्ति किया जाना है। शैक्षिक सत्र 2024-25 में आरम्भ के तीन माह (अप्रैल-जून) इस दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। इसके अंतर्गत पिछली कक्षाओं के अधिगम प्रतिफलों की संप्राप्ति के लिए सम्पन्न की जाने वाली प्रक्रियाएं अगली कक्षाओं के लिए नींव का कार्य करती हैं। इस प्रयोजन से उत्तराखंड राज्य में 2018 से एस.सी.ई.आर.टी. और डायट के संयुक्त प्रयास द्वारा पिछली कक्षाओं के सीखने के प्रतिफलों की संप्राप्ति के उद्देश्य से 'मिशन कोशिश' कार्यक्रम निरंतर चलाया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम 8 सप्ताह का होता है। इसके साथ ही जून माह की गर्मियों की छुट्टियों के दौरान इन्हीं दक्षताओं से संबन्धित रोचक गृहकार्य भी दिये जाते हैं। इसी क्रम में मिशन कोशिश कार्यक्रम संचालन हेतु दिनांक 27 मार्च, 2024 को निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण, उत्तराखंड द्वारा प्रेषित पत्र (पत्रांक तीन/14/4209-219) मिशन कोशिश के क्रियान्वयन हेतु दिशा निर्देश सभी जनपदों को प्रेषित किए गए हैं। इसी पत्र का संज्ञान लेते हुए दिनांक 12 व 15 अप्रैल 2024 को जनपद टिहरी के सभी विकासखंडों के प्रधानाचार्यों व प्रधानाध्यापकों का ऑनलाइन अभिमुखीकरण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के द्वारा अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से किया गया | अभिमुखीकरण के दौरान डायट की तरफ से मिशन कोशिश कार्यक्रम के क्रियान्वयन संबंधी दिशा-निर्देश प्रदान किये गए |

सत्र की शुरुआत- (उद्देश्य व रूपरेखा) :

अभिमुखीकरण सत्र की शुरुआत डायट संकाय की तरफ से प्रतिभागियों के स्वागत के साथ की गई | तत्पश्चात डायट प्राचार्य महोदया के द्वारा मिशन कोशिश कार्य के उद्देश्य व क्रियान्वयन से संबंधित दिशा-निर्देश दिए गए | जिसके अंतर्गत छात्रों में नवीन कक्षा के लिए निर्धारित सीखने के प्रतिफलों की संप्राप्ति हेतु पिछली कक्षा के सीखने के प्रतिफलों की शत-प्रतिशत संप्राप्ति करना, कक्षावार छात्रों की अधिगम संप्राप्ति स्तर का आकलन करना, आकलन

से प्राप्त संप्राप्ति के स्तरानुसार आगामी महीनों के लिए समय सारणी एवं कार्ययोजना का निर्माण, प्रभावी शिक्षण कार्य सम्पन्न करना, मई माह में छात्र उपलब्धि का मूल्यांकन कार्य से जुड़ी बातचीत को रखा गया |

पूर्व कक्षा के न्यून संप्राप्ति वाले प्रतिफलों को चिह्नित करना :

सत्र में आगे बढ़ते हुए डायट संकाय की ओर प्राथमिक, उच्च प्राथमिक व माध्यमिक स्तर पर न्यून संप्राप्ति वाले प्रतिफलों को चिह्नित करने एक जगह दर्ज करने हेतु तैयार किये गए आकलन प्रपत्र पर चर्चा की | प्रपत्र पर अलग-अलग विषयों में जानकारी कैसे अंकित करनी है जैसे- स्कूल की सामान्य जानकारी, बच्चे का नाम, विषय, सीखने के प्रतिफल व बरती जाने वाली सावधानियों पर चर्चा की गई |

न्यून संप्राप्ति वाले प्रतिफलों को चिह्नित करने के दौरान ध्यान देने योग्य बिन्दु व सहायक गतिविधियां:

सत्र में आगे बढ़ते हुए इस बात पर चर्चा की गई कि विभिन्न विषयों(भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान) में न्यून संप्राप्ति वाले प्रतिफलों को चिह्नित करने के दौरान किन बातों का ध्यान रखना है व कौन सी गतिविधियां प्रतिफलों को चिह्नित करने में मददगार साबित होंगी |

भाषा-

- दक्षताओं (मौखिक अभिव्यक्ति, समझकर पढ़ना, समझकर लिखना) को केन्द्रित करना।
- मौखिक- पढ़े हुए को अपने शब्दों में कह पाना, किसी परिचित विषय पर अपने अनुभव कहना, विभिन्न तरह के प्रश्नों पर जवाब देना, विविध प्रकार की सामग्री में आए मूल भाव को बताना, पढ़ी गई रचनाओं पर हो रही चर्चा में शामिल होना, ध्वनि जागरूकता आदि।
- पढ़ना- बाल साहित्य, पाठ्यपुस्तक, विज्ञापन, अखबार, स्कूल में उपलब्ध विभिन्न तरह की प्रिंट सामग्री को समझकर पढ़ना।
- लिखना- स्कूल में मौजूद सभी वस्तुओं की लेबलिंग करना, पढ़े हुए पर विविध प्रश्न निर्माण करना, विभिन्न उद्देश्यों के लिए सटीक लेखन करना, जैसे- दोस्त को पत्र लिखना, मेले-त्योहार का अनुभव, स्वयं से कविता-कहानी-पहेली का सृजन करना, मन की बातों को चित्रों के जरिये अभिव्यक्त करना आदि।
- कार्यपत्रक (Worksheets) के जरिये।

गणित-

- सुबह की सभी में छोटे से बड़े के क्रम में खड़ा होना।
- विद्यालय में उपस्थित सभी तरह की आकृतियों (आयत, वर्ग, वृत्त, त्रिभुज, बेलन आदि) की सूची बनाना
- अपने घर/स्कूल/कक्षा के सभी सदस्यों की ऊंचाई नापकर सूची बनाना।
- घर/स्कूल की वस्तुओं के मूल्यों की सूची तैयार करना।
- की गयी किसी यात्रा के वर्णन को दूरी, समय आदि जानकारी के साथ बता पाना।
- सभी बच्चों को शामिल करते हुए समूह में या व्यक्तिगत रूप से दिनवार मिड-डे-मील के आकड़ों को लिखना (अनाज-सब्जी आदि की मात्रा, बच्चों की संख्या, मूल्य आदि।)
- सुबह की सभा में IPL के स्कोर, रन, विकेट, जीत-हार का अंतर आदि की सूची बनाकर प्रस्तुत करना।
- Worksheets के द्वारा।

विज्ञान-

प्रयोग कार्य-

- नमक, चीनी, मिट्टी, चॉक पाउडर, लकड़ी, पत्थर को पानी के अलग-अलग बर्तनों में डालकर हिलाएं, देखें कौन पानी में घुला, कौन नहीं, कौन डूबा-कौन तैरा आदि की सूची बनाना और उसके कारण बता पाना।
- अंकुरण के लिए किन-किन चीजों की आवश्यकता होती है, उसकी सूची बनाकर अंकुरण की प्रक्रिया को करके देखना।
- कक्षा में छात्रों से प्रोटीन, वसा और कार्बोहाइड्रेट का परीक्षण करवाना।
- विभिन्न परावर्ती सतहों जैसे समतल, उत्तल और अवतल दर्पण से बने प्रतिबिम्बों में पैटर्न की पहचान करवाना।

चर्चा करना-

- परिघटनाओं पर, बीज अंकुरण पर, पेड़-पौधों में पत्तियों की विविधता पर, भोजन की विविधता पर, संतुलित आहार पर, प्रकाश-लेंस-दर्पण पर आदि।

Worksheets के द्वारा।

सामाजिक विज्ञान-

- देश, समाज व अपने परिवेश से जुड़े विभिन्न प्रकार के मुद्दे जैसे- सरकार, चुनाव, प्रदूषण, जाति, धर्म, आयात-निर्यात, इतिहास, व्यापार, आजीविका, संसाधन, साहित्य व स्वास्थ्य आदि पर पूछताछ/ सवाल करते हैं।
- संकेतों, दिशाओं, विभिन्न वस्तुओं की स्थितियों, इलाकों के भूमि चिह्नों और भ्रमण किए गए स्थलों को मानचित्र में पहचान पाते हैं। दिशाओं का अनुमान लगा पाते हैं व अपने स्कूल, घर, गाँव आदि का नजरी नक्शा बना पाते हैं।
- तारों, ग्रहों, उपग्रहों जैसे सूर्य-पृथ्वी तथा चंद्रमा में अतंर, दिन-रात का होना, मौसम परिवर्तन के कारणों को समझ पाते हैं व ग्लोब में दर्शा पाते हैं।
- कार्यपत्रक (Worksheets) के द्वारा।

न्यून संप्राप्ति वाले प्रतिफलों को हासिल करने हेतु प्रभावी विद्यालयी प्रक्रियाएं :

सत्र के इस हिस्से में मिशन कोशिश कार्यक्रम के अंतर्गत न्यून संप्राप्ति वाले प्रतिफलों को हासिल करने में कौन सी विद्यालयी प्रक्रियाएं मददगार हो सकती है, इस बात पर चर्चा की गई | जिसके अंतर्गत यह बातचीत रखी गई कि विद्यालयी प्रक्रियाओं के अंतर्गत सीखने के लिए सक्षम व खुशनुमा वातावरण तैयार करने से न केवल छात्रों की सीखने में रुचि बढ़ती है बल्कि उनका समग्र विकास होता है। विभिन्न मंचों पर विविध अवसर देने से पाठ्यचर्या के लक्ष्यों को हासिल करने में ये प्रक्रियाएं महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वर्तमान कक्षा के लिए आवश्यक प्रतिफलों को हासिल करने के लिए पाठ्यपुस्तक के साथ-साथ रीडिंग कॉर्नर, बाल साहित्य, बुक बैंक, निपुण अभ्यास पुस्तिकाएं, विद्यासेतु संदर्शिका व अन्य पठन सामग्री को पढ़ने-लिखने में इस्तेमाल करना और इसके लिए प्रत्येक दिन पढ़ने-लिखने के लिए समय का निर्धारण किया जाना, जिसे हम 'पढ़ने-लिखने की घंटी' के नाम से जानते हैं। इसके साथ ही आनंदम पाठ्यचर्या, सुबह की सभा, प्रतिभा दिवस, प्रिंट रिच वातावरण जैसी विद्यालयी प्रक्रियाएं भी सीखने-सिखाने के लिए समृद्ध मायने देने का बहुत प्रभावी माध्यम साबित होती हैं।

आगामी योजना :

आगामी योजना के तौर यह इस बात को चर्चा के केंद्र में लाया गया कि कैसे मिशन कोशिश के अंतर्गत की जा रही शिक्षण प्रक्रियाओं को डॉक्युमेंट(फ़ोटो, विडिओ व लिखित रूप) करना है, मई माह में होने वाले मूल्यांकन की तैयारियां कैसे करनी हैं | इसके साथ ही छात्रों की अधिगम संप्राप्ति स्तर के अनुसार कार्ययोजना/सुझावात्मक गतिविधियाँ के अंतर्गत तैयार की गई मिशन कोशिश संदर्शिका (प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर) का जिक्र किया गया व यह बताया गया कि अभिमुखीकरण के उपरांत ये संदर्शिकाएं सभी शिक्षकों के साथ सॉफ्ट कॉपी के रूप में साझा की जाएंगी | जिसमें दी गई सुझावात्मक गतिविधियों का उपयोग करके न्यून संप्राप्ति प्रतिफलों को हासिल करने में मदद मिलेगी |

समेकन:

समेकन के अंतर्गत डायट संकाय के द्वारा इस बात पर जोर दिया गया कि मिशन कोशिश कार्यक्रम कि उद्देश्य पूर्ति हेतु यह आवश्यक है कि विद्यालय स्तर पर बच्चों के आकलन के साथ विभिन्न प्रकार की शिक्षण/ विद्यालयी प्रक्रियाओं पर समान रूप से जोर दिया जाए | क्योंकि मिशन कोशिश के अंतर्गत किया गया प्रभावी शिक्षण कार्य छात्रों को पूर्व कक्षा के न्यून संप्राप्ति प्रतिफलों को हासिल करने में मदद करने के साथ बच्चों को आगामी कक्षा में बेहतर सीखने की नींव भी तैयार करेगा | इसलिए यह आवश्यक है कि मिशन कोशिश के उद्देश्य व लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए बेहतर कार्ययोजना के साथ प्रभावी शिक्षण कार्य किया जाए यह अपेक्षित है |

धन्यवाद